MARWARI COLLEGE, RANCHI

(AN AUTONOMOUS UNIT OF RANCHI UNIVERSITY FROM 2009)

DEPARTMENT OF HINDI

COURSES OF STUDY FOR HINDI HONOURS

Number of Papers: 16

Full Marks: 1600

Number of Semesters: 6

B. A. Hons. Part - I: 400 Marks

B. A. Hons. Part - II: 400 Marks

B. A. Hons. Part - III: 800 Marks

Paper-wise distribution of marks in Hindi Hons.

Academic year	Semester	Theory paper	Full marks			Pass marks	Duration
			MSE	ESE	TOTAL		
First year	I	1	30	70	100	45	3 Hrs.
		2	30	70	100	45	3 Hrs.
	II	3	30	70	100	45	3 Hrs.
		4	30	70	100	45	3 Hrs.
Second tear	III	5	30	70	100	45	3 Hrs.
		6	30	70	100	45	3 Hrs.
	IV	7	30	70	100	45	3 Hrs.
		8	30	70	100	45	3 Hrs.
Third year	V	9	30	70	100	45	3 Hrs.
		10	30	70	100	45	3 Hrs.
		11	30	70	100	45	3 Hrs.
		12	30	70	100	45	3 Hrs.
	VI	13	30	70	100	45	3 Hrs.
		14	30	70	100	45	3 Hrs.
		15	30	70	100	45	3 Hrs.
		16	30	70	100	45	3 Hrs.

प्रथम वर्ष

सेमेस्टर–I

पत्र संख्या 1 हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (54 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + 70 = 100 समय: 3 घंटे उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1. दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2 × 20 = 40
2. दो लघु उत्तरी प्रश्न 2 × 10 = 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 × 10 = 10

1. हिन्दी साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण (8)
2. आदिकाल–कालविभाजन, तत्कालीन परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ (5)
3. मध्यकाल – (25)

   I भक्तिकाल – काल विभाजन,तत्कालीन परिस्थितियाँ, नामकरण, वैविध्यपूर्ण भक्ति साहित्य और कवि।

   II.रीतिकाल–काल विभाजन, तत्कालीन परिस्थितियाँ, नामकरण, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
4. हिन्दी भाषा का विकास और प्रकृति। (6)

<u>निर्धारित पुस्तकें</u>

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – हजारी प्र. द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
4. हिन्दी भाषा का विकास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
5. हिन्दी भाषा का विकास – डॉ. भोलानाथ तिवारी

प्रथम वष
सेमेस्टर – I

पत्र संख्या: 2, भक्ति काव्यधारा (40 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक –
काव्य –कलश विद्यापति, (1,2,7,16,19,21 को छोड़कर)
कबीर, सूरदास और तुलसीदास

प्रथम वर्ष

सेमेस्टर –II

पत्र संख्या: 3, हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (53)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1. आधुनिक काल– पृष्ठभूमि और परिस्थितियाँ (10)
2. हिन्दी कविता का विकास (भारतेन्दु से अद्यतन) सामान्य परिचय, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता (10)
3. हिन्दी कथा–साहित्य का विकास (भारतेन्दु से अद्यतन)(उपन्यास एवं कहानी) (8)
4. हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का विकास (नाटक, एकांकी, आलोचना, रिपोर्ताज आदि) (15)

निर्धारित पुस्तकें

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य राम चन्द्र शुक्ल**
2. **आधुनिक साहित्य – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी**
3. **हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ – ड़ॉ. सुरेन्द्र चौधरी**
4. **हिन्दी आलोचना 20 वी. शताब्दी – ड़ॉ. निर्मला जैन**
5. **हिन्दी समीक्षा – स्वरूप और संदर्भ – ड़ॉ. राम दरश मिश्र**

प्रथम वर्ष

सेमेस्टर – II

पत्र संख्याः 4, रीतिकालीन काव्यधारा (20)

पूर्णांकः 30 + **70 = 100** **समयः 3 घंटे** उत्तीर्णांकः 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

निर्धारित कवि – 1. बिहारी लाल (50 पद)

2. भारतेन्दु हरिशचन्द्र ;सवैया और कवित्त

3. द्रुत पाठ–मतिराम, भूषण, पदमाकर, घनानन्द ।

निर्धारित पुस्तक – काव्य कलश एवं काव्य सुधा

द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – III

पत्र संख्याः 5 आधुनिक हिन्दी काव्यधारा (30 वर्ग)

पूर्णांकः 30 + **70 = 100** **समयः 3 घंटे** उत्तीर्णांकः 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

निर्धारित पुस्तक – काव्य सुधा

निर्धारित कवि –

मैथिलीशरण गुप्त (सिद्धार्थ, यशोधरा),

सुमित्रानंदन पंत (प्रथम रश्मि, नौका विहार, भारतमाता, ताज)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (भारती वंदना, जागो फिर एक बार, स्नेह निर्झर बह गया है, तोड़ती पत्थर)

महादेवी वर्मा (विरह का जलजात जीवन, मैं नीर भरी दुःख की बदली, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, ये मंदिर का दीप)

जयशंकर प्रसाद – *लहर* –ले चल मुझे भुलावा देकर, ये सागर संगम अरुण नील, बीती विभावरी जाग री, अपलक जगती हो एक रात ।

द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – III

पत्र संख्या 6 हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी) (29 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1. बलचनमा (उपन्यास) – नागार्जुन
2. कहानियाँ –

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	– उसने कहा था	(3)
यशपाल	– अभिशप्त	(3)
जयशंकर प्रसाद	– मधुआ	(3)
मोहन राकेश	– आर्द्रा	(3)
प्रेमचंद	– निमंत्रण	(3)
उषा प्रियंवदा	– वापसी	(3)

निर्धारित पुस्तकें

1. बलचनमा – नागार्जुन
2. कथा प्रभास – डा0 नागेश्वर सिंह एवं डा0 माया प्रसाद।

द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – IV

पत्र संख्या : 7 आधुनिक हिन्दी काव्यधारा (छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

(50 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70** = **100** **समयः 3 घंटे** उत्तीर्णांकः 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

निर्धारित कवि

1. दिनकर – मनुज का श्रेय, आलोकधन्वा, वन फूलों की ओर, हाहाकार।
2. अज्ञेय – कलगी बाजरेकी, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ।
3. नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद, छब्बीस जनवरी, पन्द्रह अगस्त, सिन्दूर तिलकित भाल।
4. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – युद्ध स्थिति, लीक पर वे चले, कैसी विचित्र है जिंदगी, नया वर्ष फिर आया।
5. धूमिल – आज मैं लड़ रहा हूँ, अकाल–दर्शन, लोहे का स्वाद, मैं हूँ मोचीराम।

निर्धारित पुस्तकें

पुस्तक – छायावादोत्तर काव्य – डॉ. रणजीत सिंह

द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – IV

पत्र संख्या : 8 हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी) (वर्ग 40)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1.	कर्मभूमि (उपन्यास) (10)	–	प्रेमचंद		
2.	कहानियाँ	–	कमलेश्वर	– दिल्ली में एक मौत	(5)
			जैनेन्द्र	– नीलम देश की राजकन्या	(5)
			भीष्म साहनी	– चीफ की दावत	(5)
			रेणु	– अगिनखोर	(5)
			निर्मल वर्मा	– परिन्दे	(5)

निर्धारित पुस्तकें

1. कर्मभूमि – प्रेमचंद
2. कथा प्रभास – डॉ० नागेश्वर सिंह एवं डॉ० माया प्रसाद।

तृतीय वर्ष

सेमेस्टर – V

पत्र संख्या : 9 हिन्दी गद्य विधाएँ (45 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1. ध्रुवस्वामिनी (नाटक) जयशंकर प्रसाद (6)
2. निबंध –

   क) आ॰ महावीर प्रसाद द्विवेदी – साहित्य की महत्ता (3)
   ख) आ॰ रामचंन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति (4)
   ग) विद्यानिवास मिश्र – जमुना के तीरे–तीरे (2)
3. रेखाचित्र – महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा (3)

<u>निर्धारित पुस्तकें</u>

1. धवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
3. गद्य विविधा – डॉ॰ नागेश्वर सिंह एवं डॉ॰ माया प्रसाद।

तृतीय वर्ष

सेमेस्टर – V

पत्र संख्या : 10 साहित्यालोचन (45 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1. अलोचना का स्वरुप (5)
2. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ (5)
   (क) ऐतिहासिक–सामाजिक दृष्टि,
   (ख) मनोवैज्ञानिक
   (ग) समाजशास्त्रीय
3. साहित्यिक विधाएँ – महाकाव्य/ खंडकाव्य/ गीतिकाव्य/ नाटक/एकांकी/उपन्यास/कहानी/निबंध आदि। (5)
4. भारतीय साहित्यशास्त्र एवं सिद्धांत – काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, ' शब्द–' शक्ति, काव्य गुण–दोष, रस, अलंकार, रीति– वृत्ति, ध्वनि और वक्रोक्ति का सामान्य परिचय (12)
5. अलंकार – उपमा, रुपक, ' श्लेष, यमक, वक्रोक्ति और मानवीकरण (4)
6. छंद – चौपाई, दोहा, सोरठा, हरिगीतिका और उल्लाला (4)

<u>निर्धारित पुस्तकें</u>

1. हिन्दी आलोचना – डॉ. विशम्भर नाथ त्रिपाठी
2. अंलकार मुक्तावली – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा

तृतीय वर्ष

सेमेस्टर – V

पत्र संख्या : 11 :– सामान्य भाषा विज्ञान और हिन्दी (21)

पूर्णांकः 30 + **70 = 100** **समयः 3 घंटे** उत्तीर्णांकः 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1. भाषा की परिभाषा और प्रकृति (3)
2. भाषा विज्ञान – परिभाषा, स्वरुप, अध्ययन क्षेत्र (6)
3. ध्वनि विज्ञान – ध्वनि का आशय, परिभाषा और वर्गीकरण (4)
4. स्वनिम विज्ञान (शब्द विज्ञान) – शब्द की परिभाषा, शब्द के भेद, हिन्दी शब्द भंडार।

   (4)
5. रुप विज्ञान – परिचय एवं वर्गीकरण (4)

निर्धारित पुस्तकें

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोला नाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा

तृतीय वर्ष

सेमेस्टर – V

पत्र संख्या 12 प्रयोजनमूलक हिन्दी (45 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

i. प्रयोजनमूलक हिन्दी – अवधारणा, अनुप्रयोग, प्रयोगात्मक क्षेत्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी की पारिभाषिक ' शब्दावली।

ii. प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार, संक्षेपण, टिप्पण, प्रारुपण एवं प्रतिवेदन लेखन।

iii. अनुवाद – अवधारणा, महत्व, सिद्धांत, हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद।

iv. वैज्ञानिक तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हिन्दी, हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी ' शब्दावली।

निर्धारित पुस्तकें

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – सिध्दान्त और व्यवहार– डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा
2. हिन्दी भाषा का प्रयोजन मूलक स्वरूप – डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया

तृतीय वर्ष

सेमस्टर – VI

पत्र संख्या : 13 हिन्दी गद्य साहित्य (31 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1. दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2 × 20 = 40
2. दो लघु उत्तरी प्रश्न 2 × 10 = 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 × 10 = 10

1. एकांकी –संग्रह

(10)

क. भुवनेश्वर – स्ट्राइक
ख. उपेन्द्रनाथ अश्क – तौलिए
ग. मोहन राकेश – अंडे के छिलके

II. निबंध –

(15)

क. वासुदेव शरण अग्रवाल – चरित्र का मानदंड।
ख. नंददुलारे वाजपेयी – साहित्य और जीवन
ग. हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारू

III. रिपोर्ताज –

लाल कनेर के फूल और लालटेन वाली नाव– धर्मवीर भारती,
(3)

IV. व्यंग्य – तुम कब जाओगे अतिथि – ‘ शरद जोशी (3)

निर्धारित पुस्तकें

1. एकांकी संग्रह – रंगावली – मंजु ज्योत्स्ना, रणजीत सिंह।
1. आधुनिक निबंध साहित्य – गद्य विविधा – डॉ० नागेश्वर सिंह एवं डॉ० माया प्रसाद।

हिन्दी (H)
तृतीय वर्ष
सेमेस्टर – VI

पत्र संख्या 14 सामान्य भाषा विज्ञान और हिन्दी(30 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समयः 3 घंटे** उत्तीर्णांकः 45

<u>अंक विभाजन</u>

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

i. वाक्य विज्ञान – स्वरूप एवं परिभाषा, वाक्य के भेद या प्रकार।
ii. अर्थ विज्ञान– आशय, स्वरूप एवं परिभाषा, अध्ययन का क्षेत्र।
iii. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन –
हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की कुल आकर भाषाएँ, पुरानी हिन्दी, अवहट्ठ, डिंगल तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास।
iv. हिन्दी भाषा के विविध रुप– बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा।
v. हिन्दी का क्षेत्र विस्तार
vi. अध्ययन क्षेत्र

<u>निर्धारित पुस्तक</u>

1. भाषा विज्ञान के सिध्दांत – डॉ. त्रिलोचन पांडे

तृतीय वर्ष सेमेस्टर – VI

पत्र संख्या : 15 पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत और हिन्दी आलोचना (30 वर्ग)

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	**दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**2 × 20 = 40**
2.	**दो लघु उत्तरी प्रश्न**	**2 × 10 = 20**
3.	**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**	**1 × 10 = 10**

1. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत – प्लेटो, अरस्तू, वड्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड, आई.ए. रिचर्ड्स और टी.एस. इलियट के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय
2. प्रमुख सिद्धांत और वाद – स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लषणवाद, यथार्थवाद, बिम्ब, प्रतीक, मिथक और उत्तर आधुनिकता
3. हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक – आ॰रामचंद्र शुक्ल, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, आ. नंद दुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास ‘ शर्मा और डॉ. नामवर सिंह

निर्धारित पुस्तक

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ. निर्मला जैन

तृतीय वर्ष सेमेस्टर – VI

पत्र संख्या : 16 :– जनसंचार माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता

पूर्णांक: 30 + **70 = 100** **समय: 3 घंटे** उत्तीर्णांक: 45

अंक विभाजन

1.	दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	2 × 20 = 40
2.	दो लघु उत्तरी प्रश्न	2 × 10 = 20
3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 × 10 = 10

- **i.** जनसंचार माध्यम – अभिप्राय, स्वरुप और विस्तार, जनसंचार माध्यमों के प्रकार
- **ii.** हिन्दी पत्रकारिता–विकास नई दिशाएँ, प्रेस के समक्ष चुनौतियाँ, हिन्दी साहित्य और पत्र–पत्रिकाएँ,
- **iii.** इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – प्रिंट मीडिया पर प्रभाव, भाषा, रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता
- **iv.** हिन्दी पत्रकारिता के सामाजिक सरोकार
- **v.** मीडिया लेखन – समाचार लेखन, संपादकीय, अग्रलेख, टिप्पणी आदि।
- **vi.** झारखंड में हिन्दी पत्रकारिता

निर्धारित पुस्तक

1. पत्रकारिता के सिध्दांत – डॉ. रमेश चन्द्र त्रिपाठी
2. पत्रकारिता और जन संचार माध्यम – डॉ. जितेन्द्रवटरू

प्रथम वर्ष सहायक पुस्तकें –

1. साहित्यालोचन – कृष्णदेवझारी
2. साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. काव्यांग विवेचन – देवेन्द्र त्यागी
4. रीतिकाल की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
5. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – डॉ. महेन्द्र

द्वितीय वर्ष सहायक पुस्तकें –

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. गोदान – गोपाल राय
3. कहानी नई कहानी – नामवर सिंह
4. साकेत एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
5. प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
6. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
7. छायावाद – नामवर सिंह
8. दिनकर –सावित्री सिन्हा
9. शुद्ध कविता की खोज – दिनकर

10. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरुप चतुर्वेदी
11. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
12. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी

तृतीय वर्ष सहायक पुस्तकें –

1. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. काव्य कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद
4. हिन्दी नाटक और रंगमंच – गिरीश ‘ स्तोगी
5. प्रसाद का नाट्य चिंतन – सिद्धनाथ कुमार
6. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – एन.सी.ई.आर.टी.
7. हिन्दी साहित्य एवं संवेदन का विकास – डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी
8. हिदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. विनोद गोदरे
10. कामकाजो हिन्दी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
11. पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
12. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ. हरिमोहन
13. गद्य का विकास–विन्यास – डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी